

नवेव ज्ञानतीर्नित्यं ज्ञा श्ये 140, 7. 9, 96, 7. Jmd vertraulich aufsuchen: ज्ञानोर्कृत्ये कृतारुं डुक्षित्वे पितरं स्वम् AV. 10, 1, 25. Nach P. 1, 3, 76 und Vop. 23, 58 med., wenn das obj. in näherer Beziehung zum subj. steht: गो ज्ञानीते er kennt seine Kuh P., Sch. Ist die nähere Beziehung durch ein anderes Wort angegeben, so kann sowohl act. als med. stehen nach P. 1, 3, 77. स्वं गो ज्ञानाति oder ज्ञानीते Sch. ज्ञाते bekannt, gekannt H. 1496. ज्ञाते ज्ञातकुलीनः, ज्ञाते उन्मानः CAT. Br. 4, 3, 4, 19. 3, 6, 5, 6, 1, 14. 13, 6, 2, 20. Kāt. Ča. 9, 7, 16. अज्ञात M. 4, 140. 5, 17. Čak. 120. erkannt, bemerkte, kennen gelernt, erfahren: आ ज्ञातम् ah! ich weiss es MBH. 2, 8. Čak. Ch. 43, ult. 91, 9. VIKR. 58, 17. PRAB. 46, 4. अज्ञातव्राणवेदन RAGH. 12, 99. सततं ज्ञातावनष्टः पपसामिव बुद्धाः पपसि PĀNKAT. V, 7. ज्ञातास्वाद MEGH. 42. °वृत्तात् VID. 276. ज्ञातमात्रे ऽपि auch wenn man nur Kunde von ihm erhalten hat N. 16, 4. अज्ञातवासे वस् unerkannt wohnen 25, 8. 13, 18. अज्ञातम् ohne Wissen M. 11, 155. अज्ञातभुक्तशुद्ध्यम् 5, 21. विदितं वाय वाज्ञाते पितुर्मे mit oder ohne Wissen meines Vaters N. 24, 4. या गर्भिणी संस्कृते ज्ञाताज्ञातार्पय वा सती man mag dieses von ihr wissen oder nicht M. 9, 173. Jmd (gen.) bekannt als: यो लहम्या: कामुको ज्ञातः सताम् Vop. 5, 27. gehalten für: पूर्वमेव मया ज्ञाते पूर्णमिताद् मेदसा PĀNKAT. I, 123. — 2) anerkennen; gutheissen, billigen: तं स्म ज्ञानीत परमे व्यामन् VS. 18, 59. 60. सर्वं तदये सुकृतस्य लोके ज्ञानीतावृत्ते संगमने पथीनाम् AV. 9, 5, 19. तदैदेवा न ब्रुः CAT. Br. 1, 6, 1, 2, 8, 1, 8. तद्वास्य ब्रुः 11, 6, 2, 5. तथा नस्त्वं तात ज्ञानीया पथा ततु-ध्यमवोचम् du mögest mir zugeben, dass 14, 9, 1, 6. तानि ज्ञातुं दधिरे 4, 2, 32. — 3) als das seinige anerkennen, in Besitz nehmen (vgl. u. सम्): यज्ञे मे किंचिदित्प्रत्यात्मकं धनं तं (sic) सर्वमेष एव ज्ञानाति SADD. P. 4, 25, b. — 4) med. mit dem gen. des Werkzeugs P. 1, 3, 45. 2, 3, 51. सर्पिषो ज्ञानीते = सर्पिषा कारणभूतेन प्रवर्तते Sch. Vop. 23, 36. शंभोर्मुकुन्दे ज्ञानीते = शंभुना साधनेन मुकुन्दे प्रवर्तते er gelangt durch Čiva zu Vishnu 5, 24. ज्ञास्ये रात्रौ ich werde in der Nacht handeln (?) BHATT. 8, 26.

— caus. ज्ञापयति und ज्ञापयति; partic. ज्ञातुं und ज्ञापित P. 7, 2, 27. Vop. 26, 114. AK. 3, 2, 67. Jmd (acc.) unterweisen: स वै पथा नो ज्ञापय (wohl ज्ञप्ते) राजपुत्रं तथा वद ČAKH. Ča. 15, 25, 2. ज्ञाते तेहित, unterwiesen CAT. Br. 41, 3, 2, 8. fgg. ज्ञापित ĀCV. GRU. 4, 7. Etwas (acc.) zu wissenthen, mittheilen, verkünden: तम् समागम्याज्ञापयत्स्वं प्रयोजनम् MBH. 2, 558. परोक्षं ज्ञापयत्तर्यात्प्र पश्यात्परित्यये 12, 4149. उत्पातेन ज्ञापयमने VARIT. 3 zu P. 2, 3, 13. Etwas (acc.) lehren: एतद्ज्ञापयत्याचार्यः, किं ज्ञाप्यते PAT. zu P. 2, 4, 66. 4, 1, 33. VARIT. 1 zu P. 4, 1, 4. ज्ञापित Sch. zu ČAIM. 1, 1, 2. Jmd (acc.) mit Etwas (acc.) bekanntmachen: आवितस्वं मया गृह्णं ज्ञापितश्च सनातनम् MBH. 14, 4, 15. कथं हि पुण्डरीकातो ज्ञापितस्तदेदं भवेत् HĀBIV. 10038. Jmd (gen.) von Jmd (acc.) berichten: ततस्ते ज्ञापयामासुर्धृत-राष्ट्रस्य नागरा: । पाण्डवानभिना दग्धान् sie theilten dem Dhṛī. mit, dass die P. verbrannt wären MBH. 1, 5864. med. Jmd (acc.) angehen, bitten, zusprechen: तस्माहां देवदेवेशं लोकार्थं ज्ञापयमहे । रत्नं लोकार्थं देवांश्च 3, 8762. उपमृश्यते स क्लिंकरो ज्ञापयते स प्रस्तावः त्रिपासहं शेते स उद्दीयः ĀBIND. UP. 2, 13, 1. Nach DHĀTUP. 33, 59 = नियेग, nach 32, 30. 19, 50 = मारणा, तोषणा und निशान (निशामन); vgl. u. आ und सम्. — desid. vom caus. ज्ञापयिषति und ज्ञीपस्ति P. 7, 2, 49. 4, 55.

III. Theil.

Vop. 19, 8 — 10. ज्ञापयिषति SIDDH. K. 153, a, 9. ज्ञीपस्ति den man Etwas wissen lassen will, dem man Etwas beizubringen beabsichtigt P. 1, 4, 34. — Vgl. ज्ञापयषु.

— desid. ज्ञासाते P. 1, 3, 57. Vop. 23, 57. ep. auch act. 1) zu kennen —, zu wissen —, zu erkennen —, kennen zu lernen begehr; untersuchen, prüfen, auf die Probe stellen: हासं ते — ज्ञासामि ich verlange zu wissen worüber du lachst R. 2, 35, 19. ज्ञासातौ परां गतिम् 4, 60, 6. धर्मं ज्ञासामानानाम् M. 2, 18. P. 1, 3, 57, Sch. यावत् ज्ञासात ग्रात्मतत्त्वम् BHĀG. P. 5, 5, 5. ज्ञासाति was man kennen zu lernen gewünscht hat 1, 3, 3, 4. ज्ञासामानो रामस्य वीर्यम् MBH. 3, 8660. धनुषस्तस्य वीर्यं हि ज्ञासातः R. 1, 33, 10. तेषां ज्ञासामानानां शैवं धनुरुपावृत्तम् 66, 19. ज्ञासास्पां रथः सयो व्यक्तं एष द्विरामयः MBH. 3, 8630. अत्मानुचरस्य भावं ज्ञासामाना RAGH. 2, 26. BHĀTT. 8, 33. एवं हि न शास्त्रविषयो ज्ञासाप्ते Sch. in WILSON'S ŚĀMKHAJ. S. 8. ज्ञासामाना वैदेकी वां मा च R. 3, 68, 8. MBH. 13, 7489. अस्मान् ज्ञासामानः 3, 2782. BHĀTT. 14, 91. अथ ज्ञासामे मां लं भरतस्य प्रियाप्रिये R. 2, 12, 15. अज्ञासामिक्विम् MBH. 1, 448. R. 5, 31, 43. शिविं ज्ञासास्यामः (sic) MBH. 3, 13274. मया ज्ञासामितो व्यास 13, 932. sich Gewissheit verschaffen über: तदेतामुपसर्पिमि तावज्ञासामितुं वरम् KĀTHĀS. 22, 84. — 2) vermuthen: दुरं तदूपं पदवत्स्तु योषा ज्ञायां ज्ञासामे मनसा चरतीम् AV. 14, 1, 56.

— अनु 1) Etwas verstatthen, vergönnen, gewähren, zugestehen; gutheissen, billigen: विश्वे देवा अनु तद्वामानान् RV. 10, 83, 14. AV. 6, 112, 1, 10, 5, 50. CAT. Br. 3, 9, 3, 14. तं नो देवासो अनुजानतु कामम् TBR. 3, 1, 1, 13. 2, 6. यद्धि किं चानुजानात्प्रयित्येव तदाहुं ĀBIND. UP. 1, 1, 8. आस्मित्यग्निहोत्रमनुजानाति TAITT. UP. 1, 8. स्थानं लिङ्गानुजानीहि प्रजानां मम च BHĀG. P. 3, 13, 14. मी ज्ञातमात्रा धनमित्रनामे — अन्वजानाद्यार्थी मे पिता zusagen DAÇAK. in BENF. Chr. 186, 19. अन्वजानात्तो यूतम् MBH. 1, 136. डुक्तिस्तमभिप्रायमन्वजानात् 3, 2955. अभिप्रेतास्तु मे कामास्तम-उन्नातुमर्हसि 10024. Ig. 4, 799. R. 1, 57, 17. 60, 28. BHĀG. P. 9, 3, 26. KULL. zu M. 3, 108. 5, 70. ततो उन्नज्ञे (wohl pass.) गमनं सुतस्य BHĀTT. 1, 23. SIDDH. K. 167, a, 5. अनुजानात्वश्रम ČAK. 32, 11, v. 1. अनुजानातु मे भवान् gestehe es mir zu MBH. 3, 2047. R. 1, 21, 17. अनुजातं देव्या die Königin hat es gewährt, zugestanden MĀLĀV. 16, 11. भवतामननुजानं रुपाहु मम विक्रमम् die von eurer Seite schliende Einwilligung R. 5, 88, 7. ब्रह्म प्रस्तवनुजानात्प्रयाप्तावानुप्रायात् ohne dazu die Einwilligung zu haben M. 2, 116. पः स्वामिनाननुजानात्मार्थं भुजे 8, 150. तेन क्रमागतं रात्र्यं सावधानेन शासता। अनुजज्ञे मैत्रं कालं पूर्वभूपालपद्धतिः wurde gebilligt so v. a. zur Richtschnur genommen RĀGA-TAH. 1, 353. — 2) Jmd Etwas nachsehen, verzeihen: अनुप्रवेशे यदीर कृतांस्त्वं ममाप्रियम्। सर्वं तदनुजानामि MBH. 1, 7772. तन्मया प्रीतिमता युवयोरनुजानात् ČAK. 63, 4. नूनमिदानीमनुजानात् MĀLĀV. 42, 9. — 3) Etwas bereuen: अग्रहं यज्ञे ते पाणिमयं पूर्णायां च पृथ. । अनुजानामि तत्सर्वमस्मिन् लोके परत्र च || R. 2, 42, 8. — 4) Jmd (acc.) ermächtigen, eine Erlaubniss ertheilen: यदि मी नानुजानामि MĀLĀV. 18. वनवासानुपायानाय मामनुजानातुमर्हसि R. 2, 52, 44. अनुजानीहि मी गमनं प्रति P. 8, 1, 43, Sch. अनुजात � ermächtigt, der eine Erlaubniss erhalten hat GOBH. 3, 4, 1. ČAKH. GRU. 1, 12, 2, 6. KĀT. ČH. 2, 3, 8, 3, 5, 5. M. 3, 210. 253. 9, 179. JĀĒN. 1, 68. MBH. 2, 1280. PĀNKAT. 72, 11. — 5) Jmd (acc.) erlauben fortzugehen, verabschieden, entlassen: अ-

9*